लीलाएं श्याम की | by Sumeet Samarpree

जो जग से निराले एक ऐसे धाम की
भक्तो तुमको सुनाऊँ लीलाएं श्याम की

मंदिर से बाबा मेले में वेश बदल कर घूमे
मस्तक पर सूरज चमके अम्बर भी चरण को चूमे
चंदा भी उतारे नज़र श्याम की
भक्तो तुमको सुनाऊँ लीलाएं श्याम की

धरती ये चरणों को पखारे, पवन इत्तर छिडकाये
गगन मगन में नाच उठे कोयल भी मंगल गाये
मिलने बेटे से आये श्री राम जानकी
भक्तो तुमको सुनाऊँ लीलाएं श्याम की

नगर भवन होवे कीर्तन भक्तों संग श्याम भी झूमे
छप्पन भोग सजा दे रे भगता साथ में बाबा जीमे
और संग रंग जमाते बजरंग हनुमान जी
और संग रंग जमाते सालासर लाल जी
भक्तो तुमको सुनाऊँ लीलाएं श्याम की

बाबा से मिलने भगता जी नंगे पाँव चाले
भले फटे जैसे भी कटे पड़ जाएँ पाँव में छाले
यूँ ना महिमा निराली इस पावन धाम की
भक्तो तुमको सुनाऊँ लीलाएं श्याम की

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a5%80%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%8f%e0%a4%82-%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-by-sumeet-samarpree/